

युक्तिवाद तथा युक्तिवाद का आकार (Argument and Argument form)

युक्तिवाद (Argument) —

तर्कवाक्यों या प्रकथनों के वही सभ्य या विन्यास को युक्ति कहा जाता है, जिनमें कोई तर्कवाक्य अन्य तर्कवाक्यों से निरपेक्षित होता है।

Ex —

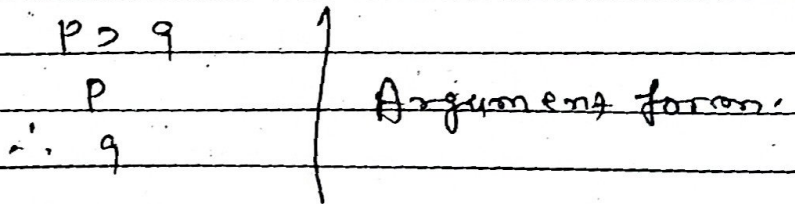
If there is sun, there is life
 there is sun
 there is life.

युक्ति को प्रकार के होते हैं —

(i) निगमनात्मक — जिनमें निरपेक्ष आधा वाक्य में सन्नहित होते हैं तथा यह कथ/अर्थ होते हैं।

(ii) आश्रयनात्मक — जिनमें निरपेक्ष आधा वाक्यों में सन्नहित नहीं होते तथा कथ/अर्थ नहीं, जबकि अधिक सम्भाव्य या कम सम्भाव्य होता है।

युक्ति आकार — जहाँ किसी युक्ति के स्थान पर P, q, r, Variable का प्रयोग किया जाता है तो उसे युक्ति आकार कहते हैं। उपरोक्त युक्ति का युक्ति आकार होगा —



अव्यसिद्ध प्रणाली (Axiomatic System)

अव्यसिद्ध प्रणाली पर प्रणाली सिद्धमें कुछ अव्यसिद्धियों या अभिव्यक्तियों को आधार मानकर एक निगमनात्मक सिद्ध का निर्माण किया जाता है। इनमें कुछ नियमों में (कुछ अव्यसिद्धियों केवल पर एक सम्पूर्ण सुसंगति प्रणाली बनायी जा सकती है।

सुसंगति (Consistency)

उन विचारों या प्रतिपत्तियों की विशेषता जिसका मूल आधार या तार्किक विरोध ही रहित होता है प्रणाली सभी सुसंगत हो जाता है। यह उन प्रणाली में प्रत्येक कथन अव्यसिद्धियों का विरोध करने किया जा सके।

पूर्णता (Completeness)

प्रणाली पूर्णता है, ऐसा हम सभी कह सकते हैं जब प्रणाली का प्रत्येक कथन प्रत्येक तथ्या। ऐसा कथनों का पूर्ण निष्कर्ष निष्कर्ष प्रणाली में प्रत्येक तथ्य में सिद्ध नहीं हो सकता। यह प्रणाली में, जैसे कथनों की सम्बन्ध सही-सही रहती है पर प्रणाली पूर्णता होती है।